M.A. - II (Pali & Prakrit) (NEP Pattern) Semester-III

03MAPAJC2 / NEP224 Major - Suttapitake cha Vinaypitake (Sanyukttnikayo cha Bhikkhuvibhango)

P. Pages : 3 | **GUG/W/24/15565**

Time : Three Hours | Max. Marks : 80

सुचना :- 1. सर्व प्रश्नांची उत्तरे लिहिणे आवश्यक आहे.
सभी सवालों के जवाब लिखना आवश्यक है।
2. स्विकृत माध्यमातून उत्तरे लिहा.
स्वीकृत माध्यम में जवाब लिखिए।

1. ससंदर्भ भाषांतर करा. **16**
ससंदर्भ अनुवाद कीजिए।

वुत्तं हेतं भगवता, वुत्त मरहता ति मे सुत्तं- "बहुकारा, भिक्खवे ब्राम्हणगहपतिका तुम्हाकं ये वो पच्चुपट्ठिता चीवरपिण्डपात सेनासन गिलानपच्चय-भेसज्जपरिकव्रारेहि। तुम्हे पि, भिक्खवे, बहुकारा ब्राम्हण गहपतिकानं यं नेसं धम्मं देसेथ आदिकल्याण मज्झेकल्याणं परियोसानकल्याणं सात्थं सब्यञ्जनं केवलपरिपुण्णं परिसुद्धं ब्रम्हचरियं पकासेथ। एवमिदं भिक्खवे अञ्ञमञ्ञं निस्साय ब्रम्हचरियं वुस्सति ओवस्स नित्थरणत्थाय सम्मा दुक्खस्स अन्तकिरियाया" ति। एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेतं इति वुच्चति-

"सागारा अनगारा च, उभो अञ्ञोञ्ञनिस्सिता।
आराधयन्ति सद्धम्मं, योगक्खेमं अनुत्तरं॥
सागारेसु च चीवरं, पच्चयं सयनासनं।
अनगारा पटिच्छन्ति, परिस्सयविनोदनं॥
सुगतं पन निस्साय, गहट्ठा घरमेसिनो।
सद्दहाना अरहतं, अरियपञ्ञाय झायिनो॥
इंध धम्मं चरित्वान, मग्गं सुगतिगामिनं।
नन्दिनो देवलोकस्मिं, मोदन्ति कामकामिनो" ति॥
अयं पि अत्थो वुत्तो भगवता, इति मे सुतं ति।

किंवा / अथवा

"कथं च, भिक्खवे, पुग्गलो सब्बत्थाभिवस्सी होति? इध, भिक्खवे, एकच्चो पुग्गलो सब्बेसं वदेति समणब्राम्हणकपणद्धिकवनिब्बकथाचकानं अन्नं पानं वत्थं यानं मालागन्धविलेपनं सेय्यावसथपदीपेय्यं एवं खो, भिक्खवे, पुग्गलो सब्बत्थाभिवस्सी होति। इमे खो भिक्खवे, तयो पुग्गला सन्तो संविज्जमाना लोकस्मिं" ति। एतमत्थं भगवा अवोच। तत्थेतं इति वुच्चति-

"न समणे न ब्राम्हणे, न कपणद्धिकवनिब्बके।
लद्धान संविभाजेति, अन्नं पानं च भोजनं।

तं वे अवुट्ठिकसमो ति, आहु नं पुरिसाधमं॥
"एकच्चानं न ददाति, एकच्चानं पवेच्छति।
तं वे पदेसवस्सी ति, आहु मेधाविनो जना॥
"सुभिक्खवाचो पुरिसो, सब्बभूतानुकम्पको।
आमोदमानो वकिरेति, देथ देथा ति भासति॥
"यथा पि मेधो धनयित्वा, गज्जयित्वा पवस्सति।
थलं निन्नं च पूरेति, अभिसन्दन्तो व वारिना॥
"एवमेव इधेकच्चो, पुग्गलो होति तादिसो।
धम्मेन संहरित्वान, उट्ठानधिगतं धनं।
तप्पेति अन्नपानेन, सम्मा पत्ते वनिब्बके" ति॥
अथं पि अत्थो वुत्तो भगवता, इति मे सुतं ति।

2. 'पुग्गलसुत्तं'चे संयुक्तनिकाय ग्रंथातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा. **16**
'पुग्गलसुत्तं' का संयुक्तनिकाय ग्रंथ में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

किंवा / अथवा

'कसिभारद्वाजसुत्तं' चे उपासकवग्गोतील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
'कसिभारद्वाजसुत्तं' का उपासकवग्गो में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

3. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन.** **16**
निम्नलिखित सवालों के जवाब लिखिए **कोई भी दो।**

अ) पाचित्तियधम्माची विस्तार चर्चा करा.
पाचित्तियधम्मा की विस्तार से चर्चा कीजिए।

ब) पाराजिक धम्मा चे गुणविशेष सांगा.
पाराजिक धम्मा के गुणवैशिष्ट्यों को बताइएँ।

क) परिदेसनियधम्मा चे महत्त्व स्पष्ट करा.
परिदेसनियधम्मा का महत्त्व विशद कीजिए।

4. खालील प्रश्नांची उत्तरे लिहा **कोणतेही दोन.** **16**
निम्नलिखित सवालों के जवाब लिखिए **कोई भी दो।**

अ) विनयपिटकाचे तिपिटक साहित्यातील स्थान आणि महत्त्व स्पष्ट करा.
विनयपिटक का तिपिटक साहित्य में स्थान और महत्त्व स्पष्ट कीजिए।

ब) कठिन चिवरवग्गो पठमो च्या आधारे चिवरासंबंधीच्या नियमांना सविस्तर लिहा.
कठिन चिवरवग्गो पठमो के आधार से चिवर संबंधी नियमों को विस्तार से लिखिए।

क) विवाद शांत करणाऱ्या सात नियमांविषयी सविस्तर माहिती लिहा.
विवाद शांत करनेवाले सात नियमों की विस्तार से जानकारी लिखिए।

5. अ) टिपणे लिहा **कोणतेही तीन.** **12**
टीप्पणियाँ लिखिए **कोई भी तीन।**

1) सीलसम्पन्नसुत्तं 2) तिकनिपातो

3) सङ्गारवसुत्तं 4) संयुक्तनिकाय

ब) रिकाम्या जागा भरा. **4**
रिक्त स्थान की पूर्ती कीजिए।

1) तिकनिपातोतील --------- सुत्तं आहे.
तिकनिपातो का --------- सुत्त है।
अ) सुखपत्थना सुत्तं ब) वसल सुत्तं
क) पराभव सुत्तं ड) वासेट्ठसुत्तं

2) सेखियधम्मा नियम ------- आहेत.
सेखियधम्मा नियम ------- है।
अ) 220 ब) 75
क) 311 ड) 547

3) भिक्खूंकरिता एकूण नियम ------ आहेत.
भिक्खूँओं के कुल नियम ------- है।
अ) 5002 ब) 423
क) 227 ड) 311

4) -------- संयुक्त निकायातील भाग आहे.
-------- संयुक्त निकाय का भाग है।
अ) अप्पमाद वग्गो ब) जरावग्गो
क) चित्तवग्गो ड) महावग्गो

****